आईआईएम रांची ने 15वां स्थापना दिवस मनाया

आईआईएम रांची का 15वां स्थापना दिवस आज, राज्यपाल होंगे चीफ गेस्ट

रांची | आईआईएम रांची का 15वां स्थापना दिवस शुक्रवार को मनाया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन व विशिष्ट अतिथि रामास्वामी बालासुब्रमण्यम होंगे। मौके पर कई कार्यक्रम होंगे। बताते चलें कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईआईएम रांची के नए कैंपस का उद्घाटन किया था। आईआईएम रांची का नया कैंपस 60 एकड़ में फैला है, जो 280 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हुआ है। इसमें सभी लेटेस्ट तकनीकों से लैस 20 क्लासरूम, 684 रूम के तीन हॉस्टल ब्लॉक, 650 लोगों की क्षमतावाला ऑडिटोरियम है। यहां अभी सात प्रोग्राम चल रहे हैं। जिनमें देशभर के लगभग एक हजार स्टूडेंट्स पढ़ाई कर रहे हैं। 2009 में आईआईएम रांची की स्थापना की गई थी।

Dainik Bhaskar_15.12.2023_Pg. 02

आईआईएम का स्थापना दिवस समारोह आज

रांची। आईआईएम, रांची शुक्रवार को अपना 15वां स्थापना दिवस समारोह मनाने जा रहा है। निदेशक प्रो दीपक कुमार ने बताया, भारत सरकार के कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन के सदस्य (एचआर) रामास्वामी बालासुब्रमण्यम विशिष्ट वक्ता के रूप में व्याख्यान देंगे। मुख्य अतिथि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन होंगे। सांस्कृतिक प्रस्तुति, पौधरोपण और खेलकूद की प्रतियोगिता भी होगी।

Hindustan_15.12.2023_Pg. 06

आइआइएम रांची का 15वां स्थापना दिवस समारोह आज

रांची. आइआइएम रांची का 15वां स्थापना दिवस समारोह 15 दिसंबर को मनेगा. इस आयोजन के मुख्य अतिथि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन होंगे. संस्थान के विवेकानंद ऑडिटोरियम में 11.30 बजे से होने वाले समारोह में केंद्रीय कैपिसिटी बिल्डिंग कमीशन के सदस्य रामास्वामी बालासुब्रह्मण्यम मुख्य वक्ता होंगे. स्थापना दिवस पर विद्यार्थियों व शिक्षकों द्वारा पौधरोपण, सांस्कृतिक कार्यक्रम व खेलकूद का भी आयोजन किया जायेगा. निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि समारोह में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपने विचार व्यक्त करेंगे.

वर्ष 2009 में इसकी स्थापना हुईः आइआइएम रांची की स्थापना 15 दिसंबर 2009 में हुई. 11वीं पंचवर्षीय योजना के तहत पूर्वोत्तर भारत में देश का नौवां भारतीय प्रबंधन संस्थान के रूप में इसकी स्थापना की गयी. इसका विधिवत उदघाटन छह जुलाई 2010 को किया गया. आरंभ में दो वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट मैनेजमेंट कोर्स के साथ सूचना भवन में संचालित हुआ. अब यह लगभग 60 एकड़ भूमि पर नया सराय स्थित प्रबंधन नगर में शिफ्ट हो गया है. इसके अध्यक्ष प्रवीण शंकर पांड्या हैं, जबकि वर्तमान निदेशक डॉ दीपक कुमार श्रीवास्तव हैं. वर्तमान में यहां लगभग 700 से अधिक विद्यार्थी व 48 से अधिक फैकल्टी हैं. यहां शोध कार्य भी चल रहे हैं, जिसमें लगभग एक सौ से अधिक विद्यार्थी जुड़े हुए हैं. एमजे जेवियर इस संस्थान के पहले निदेशक थे. अभी यहां एमबीए, एमबीए-एचआरएम, एमबीए-बीए के तहत डिग्री प्रदान की जाती है. मई 2023 में यंग चैंजमैकर्स प्रोग्राम (वाइसीपी) शुरू करने वाला यह पहला भारतीय प्रबंधन संस्थान है. एनआइआरएफ रैंकिंग में इसका स्थान अभी 24वां है. यहां कैट की योग्यता के आधार पर नामांकन होता है. छात्रों के नौ क्लब यहां संचालित है.

Prabhat Khabar_15.12.2023_Pg. 08

आईआईएम रांची का फाउंडेशन डे मना, फैकल्टीज ने पिछले 18 माह में मैनेजमेंट से जुड़े 200 रिसर्च पेपर पब्लिश किए

IIM कोलकाता के मेंटरशिप में 44 स्टूडेंट्स के साथ शुरू हुआ था IIM रांची, आज 7 प्रोग्राम में 1180 छात्र हैं

सिटी रिपोर्टर| रांची

15 दिसंबर 2009 में आईआईएम रांची का अस्थाई कैंपस का नींव सूचना भवन रखा गया। वहीं क्लास की शुरुआत 5 जुलाई 2010 से शुरू हुई। इसके साथ ही कांके रोड में सेटेलाइट ऑफिस और खेलगांव में हॉस्टल की व्यवस्था की गई। जब आईआईएम रांची की शुरूआत हुई तो इसकी मेंटरशिप आईआईएम कोलकाता द्वारा की जाती थी। वहां के प्रोफेसर आकर छात्रों को पढ़ाते थे। तब एक प्रोग्राम में 44 स्टूडेंट्स पढ़ाई करते थे। बहुत कम समय में संस्थान ने देशभर में अपनी पहचान बनाई। पिछले साल संस्थान को अपना स्थाई कैंपस मिला। जहां वर्तमान में 7 प्रोग्राम में 1180 स्टूडेंट्स पढ़ाई कर रहे हैं। वहीं 61 फैकल्टी अपनी सेवा दे रहे हैं। शुक्रवार को आईआईएम रांची का 15वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में क्षमता निर्माण आयोग, भारत सरकार के सदस्य रामास्वामी बालासुब्रमण्यम, चेयरमैन बोर्ड ऑफ गवर्नस प्रवीण शंकर पांड्या, संस्थान के डायरेक्टर दीपक कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे। इसमें उन्होंने कहा कि अपने जीवन में इनोवेटिव सोच, व्यवहारिक ज्ञान, डिजिटल लिटरेसी आदि का होना महत्वपूर्ण है। वर्तमान समय के अनुसार अपनी स्किल को बेहतर करने का प्रयास करते रहें। एंटरप्रन्योर बनें देश के विकास में अपना योगदान दें। डायरेक्टर दीपक कुमार श्रीवास्तव ने संस्थान की यात्रा के बारे में बताया।

सेकेंड जेनरेशन आईआईएम में सबसे ज्यादा फैकल्टी रांची में

कार्यक्रम में शामिल अतिथि व स्टूडेंट्स।

60 एकड़ में फैला हुआ है नया कैंपस

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के झारखंड दौरा के दौरान आईआईएम रांची के नए कैंपस का उद्घाटन किया गया। आईआईएम रांची का नया कैंपस 60 एकड़ में फैला हुआ है। जो 280 करोड़ रुपए की लागत से बना है। इसमें सभी लेटेस्ट तकनीकों से लैस 20 क्लासरूम, 684 रूम के तीन हॉस्टल ब्लॉक, 650 लोगों के बैठने लायक ऑडिटोरियम है।

पिछले एक साल में लिए कई अहम निर्णय

- वर्तमान जरूरत अनुसार पाठयक्रम में किया गया बदलाव, भारत में जनजाति, जनजातीय भाषा को किया गया शामिल
- आईपीएम के अंडरग्रेजुएट पार्ट के अनिवार्य पाठ्यक्रमों में नए विषय साइंस ऑफ हैप्पीनेस, सस्टेनिबीलिटी, सोशल वर्क और ट्राइब्स इन इंडिया को जोड़ा गया। -आईपीएम के पहले तीन वर्षों में एनरिचमेंट इलेक्टिव नामक वैकल्पिक पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। इसके तहत सिनेमैटोग्राफी, जल प्रबंधन, खेल प्रबंधन, स्टोरी टेलिंग, ह्यूमन कनेक्ट, नाटक और रंगमंच, कला और चित्रकला आदि पाठ्यक्रम शामिल किया गया।
- छात्रों को मानसिक तनाव से दूर व सामाजिक जुड़ाव के लिए ह्यूमन कनेक्ट प्रोग्राम शुरू किए गए। -स्कूली छात्रों के लिए यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम शुरू किए गए।

आईआईएम रांची से जुड़े तथ्य

- अब तक का हाइएस्ट पैकेज 64 लाख रुपए प्राप्त हुआ
- एनआईआरएफ रैंकिंग में आईआईएम रांची 24 वें स्थान पर है
- अब तक एमबीए के 12 बैच और एमबीए एचआरएम के 10 बैच पासआउट हुए
- सत्र 2021-23 तक एमबीए,एमबीए-एचआरएम, एमबीए बीए में कुल 2572 स्टूडेंट्स पासआउट हुए

आगे का लक्ष्य

- संस्थान द्वारा स्ट्रेटेजिक प्लान 2030 निर्धारित किया गया है। इसमें एजुकेशन, इंटरनेशन्ल कोलाब्रेशन, इंपैक्टफुल रिसर्च व सोशल इंपेक्ट शामिल है।
- इंटरनेशनल एक्रीडिटेशन प्राप्त करना।
- दूसरे देशों के मैनेजमेंट शिक्षकों को अपने संस्थान में बुलाएंगे। जो तीन माह से एक साल तक संस्थान के छात्रों को शिक्षित करेंगे।

Dainik Bhaskar_16.12.2023_Pg. 05

आगे बढ़ने के लिए नवाचार की जरूरत : बालासुब्रह्मण्यम

- किसी विषय की सतही नहीं, गहरी समझ की जरूरत
- आइआइएम रांची ने मनाया पंद्रहवां स्थापना दिवस

जागरण संवाददाता, रांची : भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची ने शुक्रवार को अपना पंद्रहवा स्थापना दिवस मनाया। परिसर के स्वामी विवेकानंद सभागार में इसका आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत सरकार के क्षमता निर्माण आयोग के सदस्य (एचआर) रामास्वामी बालासुब्रह्मण्यम ने अपने संबोधन में व्यक्तियों के सामाजिक महत्व पर जोर दिया। उन्होंने नियम पालन से परे जाने की आवश्यकता भी बताई। व्यवधान, नवाचार, नेतृत्व और डिजिटल साक्षरता के आवश्यक तत्वों पर प्रकाश डाला। यह हमारे लिए कितना महत्वपूर्ण है। हर क्षेत्र में नवाचार की जरूरत होती है। नए आइडिया की जरूरत है। इस तकनीकी दौर में डिजिटल साक्षरता कितनी महत्वपूर्ण है, यह हम सब दैनिक जीवन में भी देख सकते हैं। उन्होंने एआइ, एमएल और प्रौद्योगिकी जैसे समकालीन कौशल में छात्रों की तैयारी की वकालत करते हुए विशेषज्ञ से सामान्यवादी भूमिकाओं तक उनके विकास को रेखांकित किया। बालासुब्रमण्यम ने नकली सामग्री के प्रभुत्व वाली दुनिया में प्रामाणिकता पर जोर देते हुए संकायों से छात्रों के साथ सह-सीखने का आग्रह किया। उन्होंने संक्षिप्त इंटरनेट मीडिया सामग्री के आधार पर राय निर्माण पर चिंता व्यक्त की और विषयों की गहरी समझ का आग्रह किया। मतलब साफ था कि हम इंटरनेट मीडिया पर चल रही सामग्री के आधार पर कोई राय न बनाएं। यह खतरनाक है। हमें किसी विषय की सतही नहीं, गहरी समझ की जरूरत है।

इसके पूर्व संस्थान के निदेशक प्रोफेसर दीपक कुमार श्रीवास्तव ने आइआइएम रांची की 14 साल की यात्रा पर प्रकाश डाला। बता दें क हाल ही में प्रधानमंत्री ने इस परिसर का आनलाइन उदघाटन किया था। पिछले दो वर्षों में संस्थान के शोध और प्रकाशनों के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने हैदराबाद में केंद्र की स्थापना के बारे में भी बताया। वर्चुअल संबोधन में आइआइएम रांची के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (बीओजी) के अध्यक्ष प्रवीण शंकर पंड्या ने संस्थान के बुनियादी ढांचे के लिए आभार व्यक्त किया।

Dainik Jagran_16.12.2023_Pg. 02

आईआईएम का स्थापना दिवस मनाया

रांची, प्रमुख संवाददाता। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), रांची ने अपना 15वां स्थापना दिवस समारोह शुक्रवार को मनाया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि सदस्य (एचआर) क्षमता निर्माण आयोग, भारत सरकार रामास्वामी बालासुब्रमण्यम मौजूद थे। उन्होंने व्यक्तियों के सामाजिक महत्व पर जोर दिया। कहा, प्रबंधन के विद्यार्थियों को सामाजिक चुनौतियों का हल नए तरीके से निकालना चाहिए।

उन्होंने प्रबंधन कौशल को समाजोपयोगी बनाने की बात कही। साथ ही, नवाचार, नेतृत्व और डिजिटल साक्षरता के आवश्यक तत्वों पर चर्चा की। एआई/एमएल और प्रौद्योगिकी जैसे समकालीन कौशल में छात्रों की

आईआईएम, रांची का 15वां स्थापना दिवस समारोह शुक्रवार को मनाया गया।

तैयारी की वकालत करते हुए उन्होंने मौजूदा चुनौतियों पर बात की।

विद्यार्थियों का प्लेसमेंट बेहतर: अध्यक्षता करते हुए आईआईएम रांची के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने संस्थान की अब तक की यात्रा और उपलब्धियों का जिक्र किया। बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष प्रवीण शंकर पंड्या ने छात्रों को समुदाय और व्यावसायिक पहलों में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया।

मौके पर संस्थान के वैसे कर्मियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने दस वर्षों की सेवा पूरी की। साथ ही, अकादमिक उत्कृष्टता के लिए विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया।

Hindustan_16.12.2023_Pg. 08

आइआइम रांची का 15वां स्थापना दिवस मनाया गया, समस्या पहचान उसके निष्पादन पर किया गया विचार-विमर्श

डिजिटल लिटरेसी समय की जरूरत : डॉ रामास्वामी

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

नयी शिक्षा नीति देशभर के शैक्षणिक संस्थानों में लागू कर दी गयी है. आज के युवा कम समय में बेहतर जानकारी हासिल करने पर विश्वास रखते हैं. ऐसे में कौशल प्रशिक्षण के साथ-साथ बड़े टॉपिक को कम शब्दों में बेहतर तरीके से कैसे साझा किया जाये, प्राध्यापकों को इसकी तैयारी करना होगी. नये बदलाव के क्रम में पूर्व से स्थापित पद्धतियां नाकाम होती हैं. वहीं नवाचार, व्यावहारिक ज्ञान और डिजिटल लिटरेसी को अपनाकर नयी शैक्षणिक पद्धति को बढ़ावा देने की जरूरत है. ये बातें भारत सरकार के क्षमता विकास आयोग के सदस्य डॉ रामास्वामी बालासुब्रमण्यम ने कहीं.

वे शुक्रवार को आइआइम रांची के 15वें स्थापना दिवस पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे. उन्होंने प्रबंधन शिक्षा से जुड़े विद्यार्थियों से कहा कि वर्तमान सामाजिक चुनौतियों को व्यावहारिक तौर-तरीके से हल करना ही एक प्रबंधक की जिम्मेदारी है. इसके लिए समस्याओं की पहचान कर उसके निष्पादन पर विशेष ध्यान देना होगा. देश में क्लाइमेट चेंज और गरीबी एक बड़ी समस्या है, जिसका समाधान पूंजीवाद है. ऐसे में उत्पादन के साधनों पर व्यक्तिगत नियंत्रण, स्वतंत्र औद्योगिक चुनौतियों और उपभोक्ता की मांग को समझकर व्यवस्था में बदलाव कर किया जा सकता है. साथ ही युवा पीढ़ी को बिग डेटा और एआइ पर नियंत्रण रखने की जरूरत है. इसका इस्तेमाल लोगों के रोजगार अवसर को खत्म न कर नये अवसर तैयार करने में करना होगा.

बेहतर प्रदर्शन करनेवालो छात्रों को किया गया सम्मानित

42 विद्यार्थी से शुरू हुई संस्था में अब 1000 से अधिक शिक्षार्थी

निदेशक दीपक श्रीवास्तव ने कहा कि संस्था की स्थापना 2009 में हुई. वहीं पांच जुलाई 2010 को एमबीए के 42 विद्यार्थियों के साथ क्लास की शुरुआत हुई. आइआइएम कोलकाता के मार्गदर्शन पर संस्था का विकास हुआ. अब स्थायी कैंपस में सात कोर्स चलाये जा रहे हैं. इसमें 61 प्राध्यापक और 1000 से अधिक विद्यार्थी हैं. उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य केंद्रित शिक्षा हासिल करते हुए बेहतर इंसान बनाने के लिए प्रेरित किया.

बेहतर प्रदर्शन करने वाले 36 विद्यार्थी हुए सम्मानित

इस अवसर पर सत्र 2022-24 एमबीए, एमबीए-बीए, एमबीए-एचआरएम, एग्जीक्यूटिव एमबीए, आइपीएम सत्र 2021-26 और 2022-27 के कुल 36 विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया. साथ ही संस्था में 10 वर्ष का कार्यकाल पूरा करनेवाले तीन कर्मचारियों मानस बनर्जी, स्वाति किंडो और चौधरी अर्शदीप दास को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया. स्थापना दिवस समारोह पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किये. मौके पर बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन प्रवीण शंकर पंडया आदि मौजूद थे.

Prabhat Khabar_16.12.2023_Pg. 10